It has not been considered necessary to allow hedge trading in cotton.

Hedge trading in Cotton

3178. SHRI NARENDRA KUMAR SALVE : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Cotton Advisory Board which consists of farmers, traders, industry, labour and the Textile Commissioner has approached Government to per it hedge trading in cotton immediately ;

(b) whether Government have also been urged to permit NTSD contract without any time duration and TSD contract for Bengal Deshi Cotton ; and

(c) if so, the reaction of Government to these proposals and the action proposed to be taken in the matter ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) and (b). Yes, Sir.

(c) It has been decided to revive TSD contract in respect of Bengal Deshi cotton for export, with a period of delivery of three months excluding the month of delivery. It has also been decided to extend the period of delivery in case of NTSD contracts in cotton to six months including the month of delivery.

In view of the above, revival of ledge Trading is not considered necessary.

Distribution of Imported Steel Products by STC and MMTC

3179. SHRI M. N. READY : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that the State Trading Corporation and the Minerals and Metals Trading Corporation are tardy in distributing imported steel products and also sell imperfect sizes of the same by adding 25 per cent to their selling price as remuneration charges which is very high ;

(b) if so, the steps taken to obviate the hardships being faced by the consumers ; and

(c) whether Government consider the desirability of permitting the actual users to import their own requirements directly rather than rely on the STC and MMTC to avoid hardships ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) S.T.C. does not import and distribute steel. This is done by the M.M.T.C. It is not correct to state that MMTC is tardy in distributing imported steel and that it sells imperfect sizes and types or adds 25% to the selling price.

(b) Does not arise.

(c) Import of steel as raw material is not canalised during the current period and the actual users are allowed to import direct.

———

12.26 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Dacoity at New Shahdara Colony

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर गृह-कार्य मंत्री का ध्यान दिलाता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :—

"न्यू शाहदरा कालोनी में डकैती और स्थिति को सम्भालने में पुलिस की असफलता ।"

SHRI HEM BARUA (Mangaldai) : This is strange that you allow calling attention notices on dacoities, but you do not allow calling attention on U. P. Teachers' strike.

MR. SPEAKER : This is about Delhi Centre's responsibility.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : On the night of 29/30.11.68. at 1.34 a.m. a report was received by the Police Control Room that some persons were indulging in a quarrel in Jhilmil Colony, Shahdra. The Patrol Van of Shahdra Area was informed by wireless about this message and it reached the spot at 1.45 a.m. The Assistant Superintendent of Police (Sub-Divi-

[Shri Vidya Charan Shukla]

sional Police Officer, Shahdra) who was also informed by the Control Room about this incident, reached the spot at 2.16 a m.

It was found that 3 persons had entered the house of Brij Lal resident of Jhilmil Colony, by breaking open the door latch with some instrument while the inmates of the house were asleep. The burglars had removed two boxes containing some ornaments and also some cash. The total value of the articles removed amounts to about Rs. 600/-.

After committing the above act of house-breaking these burglars also knocked at the house of Shri Shiv Charan Das resident of Jhilmil Colony nearby. The local chowkidar, Man Bahadur challenged the burglars. He was, however, belaboured by them and deprived of his khukri. In the meantime the owner of the house Shri Shiv Charan Das also came out and hit on the nose by the khukri which the intruders had snatched from the chowkidar. On hearing this hue and cry, the neighbours assembled there and pursued the burglars who by then started running away. Two persons were hit with the khukri and given lathi blows by the burglars, who were then escaping. In all 4 persons were injured. When the Police Van arrived at the spot at 1.45 a.m. arrangements were made to remove the injured persons immediately to the Irwin Hospital in the Police Control Room Van. One of them was discharged after first aid and the remaining three who were admitted in the hospital are reported to be progressing satisfactory.

Investigation was immediately taken up and the Dog Squad was also pressed into service. A case under section 458/380 IPC was registered at Police Station Shahdra and is being pursued.

On the same night another incident of burgarly in the house of an employee of the DDA in the same locality was also reported. The house is in an unfinished stage and the doors and other fixtures have not yet been fitted. Only one iron shutter is fitted at the main entrance. The intruders remove articles valued at about 1000/- from the house while the inmates were asleep. A case under section 457/380 IPC has been registered and is being investigated.

The DIG of Police (R), Superintendent of Police and the Additional S.P. North District also visited the spot soon after. Both these cases are being investigated under the personal guidance of the S. P. (North District).

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की ला एंड आर्डर स्थिति दिन प्रति दिन बिगड़ रही है। 76 मर्डर हो चुके हैं पिछले दस महीनों में यहां पर, जब कि पिछले साल इन महीनों में 52 हुए थे। इस तरह से दिल्ली के बाजारों में लोगों का खून बहता रहा है जिसमें पुलिस भी शामिल है। आज ही अखबारों में आपने पढ़ा होगा कि इन 37 चोरियों में एक हेड कॉन्स्टेबल भी शामिल है। वह हेड कॉन्स्टेबल इस गिरोह का इन्चार्ज था। खुद पुलिस के कनाइवेंस से यह सब कुछ हो रहा है। दिल्ली में नाइट क्लब भी चलते हैं। जब एक नाइट क्लब में पुलिस ने छापा मारा तो उस गिरोह के साथ एक सब-इंस्पेक्टर पकड़ा गया। इस तरह से यहां पर यह काम चलता है।

माननीय मंत्री महोदय ने डकैती के केस को एक चोरी का केस बनाने की कोशिश की है। यह यहां का एक आम रवैया हो गया है कि पुलिस जो भी खतरनाक और गम्भीर मामले होते हैं उन को इस तरह से रखती है जैसे वह बहुत सीधे सादे मामले हों। मैं कहना चाहता हूं कि आज उन का एक आम तरीका यह है कि लोगों के केसों को रजिस्टर नहीं करते। आज दिल्ली इल्लिसिट लिकर की बिस्टिलरी बन गया है। उसमें भी पुलिस का हाथ है। यहां के 98 परसेंट केसेज जो आयेल वगैरह के पकड़े गये हैं वह ऐक्विट हो गये क्यों कि पुलिस उन का ठीक तरह से इम्वेस्टिगेशन नहीं कर सकी।

मैं मानता हूं कि गृह-कार्य मंत्री जी इस में खुद दिलचस्पी ले रहे हैं और भाई जी भी काफी तेजी से काम कर रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद दिल्ली की हालत बिगड़ती जा रही है और यह

आउट आफ़ कंट्रोल हो रही है। जहां तक इस केस का सवाल है मंत्री महोदय ने कहा कि चोरी का केस है। वास्तव में आपको ताज्जुब होगा क्योंकि अखबारों में यह बात आई है कि पांच घरों में वह डाकू एक के बाद एक घुसे। जो अलग चोरी बतलाते हैं उस में भी वास्तव में वही लोग थे। पहले वह एक घर में घुसे, उसके बाद दूसरे में और फिर तीसरे में। यह गवाही वहां के चौकीदार ने भी दी और दूसरे लोगों ने भी कहा है कि वह सात आदमी थे। उनके पास हथियार थे और वह काले कपड़े पहने हुए थे। वह उन जगहों में घुसे। 6 आदमियों में से तीन आदमी गम्भीर रूप से इन्जर हुए और बाकी तीन आदमियों के चोटें लगीं। वहां पर पहले पुलिस मोस्ट थी लेकिन उसको हटा दिया गया था। वहां पर दिल्ली और उत्तर प्रदेश का बोर्डर मिलता है। इस कारण से वह एक सेफ़ेस्ट हाइड आउट क्रिमिनल्ज के लिये बन गया है और उनके साथ पुलिस की कनाइवेंस भी है। मैं कहना चाहता हूँ कि यह पहला इंस्टेंस नहीं है। अब से लगभग एक महीना पहले शाहदरा में एक मैजिस्ट्रेट के घर में डकैती हुई थी। तब उन्होंने हवा में फ़ायर भी किया था। उस डकैती में भी जो लोग शामिल थे उनको आज तक नहीं पकड़ा गया है। इसके अन्दर भी एक आदमी भी अब तक नही पकड़ा गया है।

मेरा सवाल यह है कि क्या मंत्री महोदय को जो तथ्य मैंने दिये हैं और जो तथ्य उनको पुलिस के जरिये मिले हैं, चूंकि उनमें जमीन आसमान का अन्तर है—अगर वह वहां जाकर इन्क्वायरी करेंगे तो उनको पता चल जायेगा कि जो मैं कह रहा हूँ वह सही है क्या वह किसी सैंट्रल एजेंसी से, सी० बी० आई के जरिये से या किसी और एजेन्सी से इसकी इंक्वायरी करवायेंगे ताकि जो सही तथ्य हैं वे सामने आ सकें ?

दूसरा मेरा सवाल है कि जो पुलिस कमिशन की रिपोर्ट आपके पास आई है उस रिपोर्ट पर आप क्या कार्रवाई कर रहे हैं ?

तीसरी बात यह है कि उत्तर प्रदेश और दिल्ली का जो बोर्डर एरिया है वहां पर ये वारदातें हर रोज हो रही हैं। इस वास्ते वहां पर इन डकैतियों को रोकने के लिए आपने क्या कार्रवाई की है और क्या वहां पर जो पुलिस पोस्ट पहले थी उसको फिर से आप बहाल करेंगे, उसका भी आप इंतजाम करेंगे ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : मैंने कहा है कि इस घटना की जांच पड़ताल सुपरिटेंडेंट आफ पुलिस स्वयं कर रहे हैं। इससे पता लगता है कि इस को काफी प्रमुखता दी जा रही है ताकि इस की जो दुर्घटनायें होती हैं वे दुबारा न हो सकें।

जहां तक इस सवाल का सम्बन्ध है कि तीन आदमी थे या सात आदमी थे, और कितने घरों में उन्होंने चोरी की, जो अभी तक हम लोगों के पास रिपोर्ट आई है, इनवैस्टीगेशन के आधार पर, जांच पड़ताल के आधार पर उससे यह जाहिर होता है कि उसमें तीन या चार व्यक्ति थे और दो घरों में जो बिल्कुल आस-पास हैं, दस पंद्रह गज की दूरी पर हैं उन्होंने कुछ इस तरह की चोरियां की।

जो हादसा बताया जाता है कि वह किसी दूसरे दल के द्वारा हुआ था, इस दल के द्वारा कहना चाहता हूँ कि हमारे पास अभी तक नहीं हुआ, इसके बारे में मैं इंटेरिम रिपोर्ट ही आई है। मैंने जैसा कहा जांच पड़ताल चल रही है। जब तक वह पूरी नहीं होती यह कहना मुस्किल है और पक्के तौर पर इसको नहीं कहा जा सकता है कि माननीय सदस्य जो सूचना दे रहे हैं वह सही है या जो सूचना मेरे पास है वह सही है। पूरी इनवैस्टीगेशन जब हो जायेगी। उसके बाद ही हम लोग इसके बारे में सही तौर पर कुछ कह सकेंगे।

माननीय सदस्य ने पुलिस स्टेशन का सवाल भी उठाया है। यह घटना शायद माननीय सदस्य की कंस्टिट्यूएंसी की घटना है। पुलिस स्टेशन वहां से तीन मील दूर है। वाच एंड वार्ड की एक पोस्ट है जो कि वहां से डेढ़ मील दूर है। पहले तो टेलीफोन से सूचना देने की

[श्री विद्याचरण शुक्ल]

कोशिश की गई। इस में कुछ देरी हुई। लेकिन जैसे ही सूचना मिली·····

श्री कंवर लाल गुप्त : सूचना के चार घंटे के बाद पुलिस आई।

श्री विद्याचरण शुक्ल : जो मेरी सूचना है उसके अनुसार वहां पर सूचना मिलने के बाद वायरलैस से पुलिस वैन को खबर दी गई और पुलिस वैन दस मिनट बाद पहुंची और उसी पुलिस वैन में जो लोग घायल हुए थे उनको वहां से अस्पताल ले जाया गया।

जनरल क्राइम सिचुएशन का जहां तक सम्बन्ध है, इसके बारे में हम लोगों ने स्वयं भी बड़ा सोच विचार किया है और दिल्ली के माननीय सदस्यों से भी विचार विमर्श किया है और जो पुलिस कमिशन बिठाया गया था उसने भी इसके बारे में कुछ सिफारिशें की हैं। उन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हमने प्रयत्न किया है कि यहां पुलिस का काम ज्यादा अच्छा हो और जो क्राइम हो रहे हैं वे कम हों। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि हम किसी भी तरह से पूर्ण रूप से संतुष्ट नहीं है उससे जैसे पुलिस का काम चल रहा है। लेकिन यह बात भी बिल्कुल सही है कि उसका काम अच्छा होते हुए भी हम चाहते हैं कि वह और भी अच्छा हो। जितना अच्छा हम लोग उसके काम को कर सकते हैं, करने के लिए प्रयत्नशील हैं।

बोर्डर की जो उन्होंने बात की है, माननीय सदस्य जानते हैं कि हर जगह जहां इंटर स्टेट बोर्डर होता है वहां थोड़ी बहुत समस्या पैदा होती ही है और इस समस्या को कैसे हल किया जाए, इसके बारे में भी हम सोच विचार कर रहे हैं।

जहां तक पुलिस कमिशन की रिपोर्ट का सम्बन्ध है, उसके ऊपर हम लोग काफी सोच विचार कर चुके हैं।

श्री कंवर लाल गुप्त : सेंट्रल ऐजेंसी से जांच करवाने के बारे में भी मैंने पूछा था।

अध्यक्ष महोदय : श्री देवगुण।

श्री हरदयाल देवगुण (पूर्व दिल्ली) : मैंने स्वयं वहां जाकर इस घटना का पता लगाया है। यह गलत है कि तीन चार आदमियों का ही यह गिरोह था। यह दो तीन गिरोहों में बंटा हुआ था और इन्होंने तीन चार घरों को ललकारा और डाकुओं की तरह से डाके डालने की कोशिश की। इसकी सूचना पुलिस को पहुंचाई गई। जो सूचना देने के लिए गया उस को पुलिस ने कहा कि पहले घर से अपनी सब चीजों की सूची ले आओ, फिर पुलिस में रिपोर्ट लिखी जाएगी। यह घटना आधी रात से पहले हुई थी और वहां पर पुलिस तीन बजे पहुंची। यह एक ही गिरोह था जिसने वहां पर हमला किया। शाहदरा दिल्ली का एक भाग है। दिल्ली हिन्दुस्तान की राजधानी है और उस राजधानी का वह एक हिस्सा है। दिल्ली में जहां तक ला एंड आर्डर और पुलिस का संबंध है, वह सीधे गृह मंत्री जी के अधिकार में है। यहां पर ला एंड आर्डर की पोजिशन बिगड़ी हुई है। विशेष रूप से उस क्षेत्र में यह बहुत बिगड़ी हुई है। वहां नाजायज शराब बिकती है। सारी सीमा के साथ नाजायज शराब की भट्टियां हैं। लोग बोर्डर क्रास करके आते हैं और बेचते हैं।

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न पूछिये।

श्री हरदयाल देवगुण : मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर यह डकैती क्यों पड़ी है। दिल्ली में तीन घंटे तक डाकू आ कर लूटमार करते रहे और पुलिस को पता ही नहीं चला। अगर देश की राजधानी की यह स्थिति है तो देश के दूसरे हिस्सों में क्या हालत होगी, इसका अनुमान आप लगा सकते हैं। पुलिस वहां पर क्यों नहीं पहुंची ? वहां पर पुलिस का पहरा क्यों नहीं था ? जब सूचना देने के लिए लोग गये तो पुलिस ने क्यों कार्यवाई नहीं की ? क्या इसका कारण यह है कि वहां पर जो पुलिस है, और बोर्डर पर जो पुलिस हैं, वह दूसरे धंधों में लगी रहती है और इस कारण से उस इलाके की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं हो पाता है ?

मैं जानना चाहता हूं कि इस घटना के बाद अब उस क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित करने का इंतजाम किया गया है ? वहां पर पुलिस की गश्त का कोई इंतजाम नहीं है । वह सीमावर्ती बस्ती है । क्या वहां पर पुलिस की गश्त का कोई इंतजाम कर दिया गया है या नहीं किया गया है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : माननीय कंवर लाल गुप्त जी ने जो सवाल पूछे, माननीय सदस्य ने उसको ही दोहरा दिया है । अगर आप आज्ञा दें तो मैं अपने उत्तर को भी दोहरा दूं···

अध्यक्ष महोदय : इसकी जरूरत नहीं है ।

श्री विद्याचरण शुक्ल : माननीय सदस्य ने एक नया सवाल यह पूछा है कि वहां पर पुलिस गश्त ठीक से हो रही है या नहीं । मैं बतलाना चाहता हूं कि वहां पर पहले जितनी पुलिस की गश्त थी, अब उसको हमने ज्यादा बढ़ा दिया है ताकि इस तरह की दुबारा घटना न होने पाए ।

SHRI D. N. PATODIA (Jalore) : While the Home Minister time and again, after every incident, gives more and more assurances to the House, on the other hand, the police is becoming more and more careless, inactive and non-cooperative with the civil administration. Now, please permit me to say that the police administration in our country today is possibly the most corrupt administration, over which the government has not been able to create any control whatsoever. In the name of providing protection to the citizens, the police administration is giving shelter to the criminals and harassment to the innocent law-abiding citizens. Kidnapping in the city is on the increase and in each case the kidnapping is with the connivance of the police. The New Shahdra-Gandhinagar area has been made the paradise of underground criminals with the connivance of the police and the Home Ministry have detailed information in regard to these incidents. May I ask the hon. Home Minister whether it is a fact that after giving the various assurances in the House to prevent such incidents in the future, he conveniently forgets these assurances and does not act upon them. If not, how does the Home Minister explain the rising trend of criminal acts in the country ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : It is very unfair to make general allegations against the police force throughout the country.

SHRI D. N. PATODIA : It is true. Everybody knows it.

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : There may be instances of dereliction of duty but, by and large, they do a very arduous and difficult job in which they face a lot of difficut. At the same time, I am not saying that there is no mistake committed by the police force. Even then, it is extremely unfair for the hon. Member to make a sweeping general allegation against the police in general.

SHRI D. N. PATODIA : It deserves it, Unless you act upon your assuranses you can never improve them.

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : About the assurances which have been given in the House about improving the efficiency of the police in the Union territory, we have answered several questions. But, if the hon. Member so desires, I will lay a statement on the Table, giving the particulars of the action we have taken. But it will take a little time to see the improvements that have taken place.

12.40 hrs.

RE. SUPPLEMENTARY TO QUESTIONS AND CALLING ATTENTION NOTICES

MR. SPEAKER : Today only three questions out of the whole list could be covered during the Question Hour. Now, if each supplementary is going to be prefaced by a long or short speech, it is difficult to cover more questions, I do not know how I can get over this difficulty. I can only make an appeal to hon. Members to ask supplementaries which are short and